राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान,
उत्तराखण्ड
National Institute of Technology,
Uttarakhand

Media Coverage

June 2023

अमर उजाला, रविवार, 04 जून 2023, Page No 06.

रैली निकालकर मनाया विश्व साइकिल दिवस

श्रीनगर। एनआईटी (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान) उत्तराखंड में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत योग शिविर शुरू हो गया है। शिविर के उद्घाटन के पश्चात संस्थान में साइकिल रैली का आयोजन कर विश्व साइकिल दिवस मनाया गया। रैली को निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने स्वयं साइकिल चलाकर और हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। शनिवार से एनआईटी उत्तराखंड के छात्र कल्याण अनुभाग की ओर से योग शिविर शुरू किया गया। शिविर में अधिकारियों, शिक्षकों और छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। संवाद

दैनिक जागरण, रविवार, 04 जून

21 जून तक चलेगा एनआइटी में योग प्राणायाम प्रशिक्षण शिविर

श्रीनगर गढ़वाल: राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड श्रीनगर (एनआइटी) के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को योग प्राणायाम में प्रशिक्षित करने को लेकर एनआइटी परिसर में छात्र कल्याण विभाग द्वारा योग प्राणायाम प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शनिवार को एनआइटी निदेशक प्रो. ललित अवस्थी द्वारा बतौर मुख्य अतिथि शुरू किया गया यह प्रशिक्षण शिविर 21 जून तक संचालित होगा। गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के योग प्रशिक्षक शिविर में योग प्राणायाम का प्रशिक्षण दे रहे हैं।

योग प्राणायाम शिविर के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते संस्थान निदेशक प्रो. ललित अवस्थी ने कहा कि स्वास्थ्य एक व्यापक अवधारणा है। स्वास्थ्य का मतलब केवल आरोग्य शरीर ही नहीं वरन व्यक्ति की शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक भावनात्मक रूप से स्वास्थ्य की ऐसी अवस्था है जो व्यक्ति को सामाजिक चुनौतियों और तनावों का सफलतापूर्वक सामना करने में सक्षम बनाता है। विश्व साइकिल दिवस अवसर पर एनआइटी के छात्रों द्वारा साइकिल रैली का भी आयोजन किया। निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने हरी झंडी दिखाते हुए स्वयं साइकिल चलाकर रैली में प्रतिभाग भी किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि साइकिल परिवहन सरल और सस्ता होने के साथ ही स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल साधन भी है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य साइकिलिंग को बढ़ावा देना भी है। एनआइटी के अधिष्ठाता छात्र कल्याण डा. धर्मेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि योग शिविर के साथ ही साइकिल रैली का आयोजन युवाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। डा. राकेश मिश्रा, एनआइटी के खेल अधिकारी डा. कुलदीप सिंह के साथ ही अन्य संकाय सदस्य और कर्मचारी मौजूद थे। (जासं)

अमर उजाला, शुक्रवार, 09 जून 2023, पृष्ठ सं

एनआईटी उत्तराखंड में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि।

समीक्षा के बाद 1000 में से 300 शोधपत्र चयनित

संवाद न्यूज एजेंसी

एनआईटी उत्तराखंड में आईसीटूईथ्री सम्मेलन शुरू

श्रीनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) उत्तराखंड में कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक्स व इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और उनके अनुप्रयोग (आईसीटूईथ्री) पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुरू हुआ। सम्मेलन के लिए 1000 से ज्यादा लोगों ने शोधपत्र भेजे हैं। समीक्षा प्रक्रिया के बाद लगभग 300 शोधपत्र चयनित किए गए हैं।

बृहस्पतिवार को एनआईटी सभागार में मुख्य अतिथि गढ़वाल विवि की कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल, एनआईटी के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी, अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान ग्वालियर के निदेशक प्रो. एसएन सिंह, डीआरडीओ देहरादून के समूह निदेशक डॉ. राकेश कुमार भारद्वाज और कुलसचिव डॉ. धर्मेंद्र त्रिपाठी ने सम्मेलन का उद्घाटन किया।

सम्मेलन के आयोजक डॉ. प्रकाश द्विवेदी, डॉ. सौरव बोस व डॉ. पंकज पाल ने बताया कि शोध पत्रों की एक और समीक्षा करने के बाद बेहतर शोध पत्रों को प्रकाशित किया जाएगा।

सबसे तेज प्रधान टाइम्स

आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के लक्ष्य में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के छात्र कल्याण अनुभाग द्वारा छात्रों व कर्मचारियों के बीच योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

गबर सिंह भण्डारी

हरिद्वार/श्रीनगर गढ़वाल (सबसे तेज प्रधान टाइम्स)। । राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान श्रीनगर के निदेशक प्रोफेसर ललित कुमार अवस्थी ने संस्थान के छात्र कल्याण अनुवाद द्वारा आयोजित योग शिविर का उद्घाटन किया। स्वास्थ्य का मतलब केवल आरोग्य शरीर ही नहीं होता है। स्वास्थ्य एक व्यापक अवधारणा है। यह व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक, भावनात्मक और सामाजिक स्वास्थ्य की ऐसी अवस्था है जो किसी व्यक्ति को सामाजिक चुनौतियों और तनावों का सफलता पूर्वक सामना करने में सक्षम बनाता है। यह बात राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रोफेसर ललित कुमार अवस्थी ने संस्थान के छात्र कल्याण अनुभाग द्वारा आयोजित योग शिविर के उद्घाटन समारोह के दौरान कही। आजादी का अमृत महोत्सव मनाने के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के छात्र कल्याण अनुभाग द्वारा छात्रों और कर्मचारियों के बीच योग के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रशिक्षकों द्वारा

प्रशिक्षण दिया जा रहा है और इसका समापन अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून, 2023 को किया जाएगा। उद्घाटन समारोह पर योग साधकों को सम्बोधित करते हुए प्रोफेसर अवस्थी ने कहा योग दुनिया का प्राचीनतम भारतीय अभ्यास है। योगासन और प्राणायाम बाह्य शरीर के साथ साथ अंतरात्मा को भी स्वच्छ करने और मनुष्य के शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक, भावनात्मक और सामाजिक स्वास्थ्य को सही रखने में सहायक सिद्ध हो सकते है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मनुष्य का सच्चा साथी उसका स्वस्थ शरीर होता है और इसका ध्यान रखना हर इंसान का कर्तव्य ही नहीं उत्तरदायित्व भी है। उन्होंने कहा कि यह योग शिविर इसी मूल उद्देश्य के साथ आयोजित किया गया है ताकि संस्थान के छात्र और कर्मचारी गण योग के प्रति जागरूक हो सकें और इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाकर स्वयं को शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत रख सकें। साथ ही वे समाज ,कार्यस्थल और देश के प्रति अपने उत्तरदायित्वों का भली भांति निर्वहन करते हुए भारत को एक गौरवशाली और समृद्धशाली राष्ट्र बनाने में मदद कर सकें।

योग शिविर के उद्घाटन के बाद संस्थान में साइकिल रैली का आयोजन करके %विश्व साइकिल दिवस% मनाया गया। रैली को माननीय निदेशक महोदय ने स्वयं साइकिल चलाकर और हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि साइकिल परिवहन के लिए एक सबसे सरल, सस्ता, स्वच्छ और पर्यावरण के अनुकूल साधन है। निदेशक महोदय ने आगे कहा कि वर्तमान में पूरी दुनिया ग्लोबल वार्मिंग जैसी भीषण समस्या का सामना कर रही है। इस रैली के आयोजन का मुख्य उद्देश्य परिवहन के साधन के रूप में साइकिल को बढ़ावा देकर पृथ्वी को ग्लोबल वार्मिंग से बचाना है। उन्होंने कहा कि मुझे आशा है कि यह रैली युवाओ के अस्वास्थ्यकर जीवन शैली जैसे मुद्दों को हल करने के साथ उनके अंदर, भाईचारे, राष्ट्रवाद और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता विकसित करने में सहायक सिद्ध होगा।

इस अवसर पर अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं प्रभारी कुलसचिव डॉ धर्मेंद्र त्रिपाठी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि योग शिविर और साइकिल रैली के आयोजन का उद्देश्य आधारभूत परिवहन, आवागमन और शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत करने के लिए युवाओं के बीच योग एवं साइकिल चलाने की संस्कृति को विकसित करना है। इस दौरान एसोसिएट डीन डॉ राकेश मिश्रा, स्पोर्ट्स अफसर डॉ कुलदीप सिंह एवं संस्थान के अन्य संकाय सदस्यों और कर्मचारी गण मौजूद थे ।

सबसे तेज प्रधान टाइम्स

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान श्रीनगर के तत्वधान में आजादी का अमृत महोत्सव के तहत महिलाओं के अधिकारों की रक्षा और महिला सशक्तिकरण के लिए कानूनी जागरूकता कार्यक्रम संस्थान के संस्थान के सभागार में आयोजित किया गया

गबर सिंह भण्डारी

हरिद्वार/श्रीनगर गढ़वाल (सबसे तेज प्रधान टाइम्स)। आजादी का अमृत महोत्सव आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत घोषित पंच प्रण के संकल्प कि सिद्धि के लिए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड की आंतरिक शिकायत समिति द्वारा शनिवार को संस्थान के प्रशासनिक भवन के सभागार में महिलाओं के लिए कानूनी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में निदेशक प्रोफेसर ललित कुमार अवस्थी मुख्य अतिथि और आयुष नेगी, अधिवक्ता सर्वोच्च न्यायालय बतौर विशिष्ट अतिथि और विशेषज्ञ वक्ता के रूप में मौजूद थे। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए प्रोफेसर अवस्थी ने महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों बारे में जागरूकता फैलाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा महिलाओं के अधिकारों की रक्षा और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए कानूनी जागरूकता अनिवार्य है।

अपने सम्बोधन में संघ लोकसेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा 2023 में महिला अभ्यर्थियों की सफलता का उदहारण देते हुए प्रोफेसर अवस्थी ने कहा कियद्यपि महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों से मुकाबला तो कर रही है, लेकिन अब तक उनको बराबरी का हक नहीं मिल सका है। उन्होंने कहा कि एक राष्ट्र के रूप में भारत ने समाज में मौजूद लैंगिक अंतर को भरने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाने शुरू कर दिए हैं, फिर भी शीर्ष स्तर पर महिलाओं की भागीदारी पुरुषो की अपेक्षा अत्यंत कम है। वह एक महिला है, वह काम नहीं कर पाएगी की धारणा के आधार पर हमेश महिलाओं को उनके अधिकारों से वंचित रखा गया है। हम सबको इस धारणा को बदलना होगा और दृढ इच्छाशक्ति दिखाते हुए सभी क्षेत्रो में चाहे प्रशासनिक क्षेत्र हो, राजनैतिक क्षेत्र या फिर सामाजिक क्षेत्र हो, महिलाओं को शीर्ष स्तर पर समान नेतृत्व का अवसर देना चाहिए।

आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत घोषित पंच प्रण का जिक्र करते हुए प्रोफेसर अवस्थी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा घोषित पांच संकल्पों में से महिलाओं का सशक्तिकरण एक प्रमुख संकल्प है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार द्वारा सभी क्षेत्रो में महिलाओं को समान अवसर देकर उनको आर्थिक, सामाजिक और मानसकि रूप से सशक्त किया जा रहा है। प्रोफेसर अवस्थी सैन्य क्षेत्रो में महिलाओं कि भागीदारी का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्रमोदी के नेतृत्व में शॉर्ट सर्विस कमीशन (एसएससी) प्राप्त महिला अधिकारियों को भारतीय सेना के सभी दस प्रभागों में स्थायी कमीशन प्रदान करने का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा पहली बार 2015 महिलाओं को लड़ाकू पायलट के रूप में शामिल करने का निर्णय लिया गया। और 2018 में अवनि चतुर्वेदी ने अकेले मिग 21 विमान उड़ाकर यह साबित कर दिया कि महिलाये किसी भी तरह अपने पुरुष समकक्षों की तुलना में कम सक्षम नहीं हैं।

प्रोफेसर अवस्थी ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा यदि महिलाये पायलट, सैनिक, राज नेता, अंतरिक्ष यात्री, प्रशासनिक या अन्य किसी भी भूमिका को निभाने में सक्षम है, तो वह समानता की अधिकारिणी भी है। आयुष नेगी ने समारोह को सम्बोधित करते हुए महिलाओं से संबंधित विभिन्न कानूनों के तहत महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों और और अन्य अधिकारों के बारे विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया की विरासत कानूनों में बदलाव के कारण महिलाओं को पुरुषों के बराबर पैतृक संपत्ति में बराबर का अधिकार दिया गया है और उन्हें समान अवसर की गारंटी भी है। नेगी ने इस अवसर पर श्रोताओं को विशाखा गाइडलाइंस की आवश्यकता, अस्तित्व और प्रभावशीलता का उल्लेख करते हुए कार्य स्थल पर नारी गरिमा हनन जैसी घटनाओं की रोकथाम के लिए तीन प्रमुख कारको - प्रिवेंशन, प्रोहिबिशन एंड रेडड्रेसल को अपनाने का सुझाव दिया। डॉ धर्मेंद्र त्रिपाठी, प्रभारी कुलसचिव और डॉ जागृति सहरिया, समन्वयक आंतरिक शिकायत समिति ने भी समारोह को सम्बोधित किया और एनआईटी, उत्तराखंड में महिला कर्मचारियों की स्थित का जिक्र करते हुएकहा कि संस्थान लैंगिक समानता की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा और संस्थान में महिला-पुरुष कर्मचारियों को समान रूप से प्रतिनिधित्व करने का मौका दिया जा रहा है।

सबसे तेज प्रधान टाइम्स

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) श्रीनगर में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया

गबर सिंह भण्डारी

हरिद्वार/श्रीनगर गढ़वाल (सबसे तेज प्रधान टाइम्स)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) श्रीनगर में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया कृषि योग्य भूमि की बात हो या महासागरों के जलीय जीवन की, पीने के पानी की बात हो या हम जिस हवा में सांस लेते हैं इन सभी को दूषित करने में प्लास्टिक कचरे का प्रभाव सर्वव्यापी है। आज प्लास्टिक प्रदूषण सबसे महत्त्वपूर्ण पर्यावरणीय समस्याओं में से एक है जिसका सामना समूचा विश्व कर रहा है। यह बात राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) , उत्तराखंड के माननीय निदेशक प्रोफेसर ललित कुमार अवस्थी ने विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह के दौरान कही।

एनआईटी, उत्तराखंड में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्लास्टिक कचरे के पर्यावरणीय एवं जैविक दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह में निदेशक प्रोफेसर ललित कुमार अवस्थी बतौर मुख्य अतिथि और डॉ सुनील कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक सीएसआईआर-राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान (नीरी) विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे। समारोह में श्रोताओ को सम्बोधित करते हुए प्रोफेसर अवस्थी ने कहा कि यद्यपि प्लास्टिक कचरे पर नियंत्रण पाने के लिए किये जा रहे वैश्विक अभियान, पर्यावरण संरक्षण के अब तक के सबसे तेज अभियानों में से एक है। परन्तु बढ़ते प्लास्टिक उत्पादन के कारण यह अभियान समुद्र में बहने वाले प्लास्टिक की वार्षिक मात्रा में कमी लाने में नाकाम रहा है। उन्होंने कहा कि एक अनुमान के मुताबिक अगले 20 वर्षों में प्लास्टिक उत्पादन दोगुना होने की उम्मीद है। यदि समय रहते कोई कार्रवाई नहीं की गई तो 2060 तक प्लास्टिक प्रदूषण तीन गुना हो जाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि प्लास्टिक के बारे में ध्यान देने वाली एक महत्वपूर्ण बात यह है की ये पूरी तरह से खराब नहीं होते हैं, और फोटो-डिग्रेडेशन के माध्यम से माइक्रोप्लास्टिक में परिवर्तित हो जाते जो कि विषाक्त होते है। मछलिया एवं अन्य जानवर इनके संपर्क में आकर इन्हें निगल लेते हैं। इन माइक्रोप्लास्टिक से दूषित जानवरों के मांस के सेवन से यह विषाक्त पदार्थ मनुष्यो के शरीर में भी प्रवेश कर जाता है।

संयुक्त राष्ट्र संघ कि एक रिपोर्ट को उद्धृत करते हुए प्रोफेसर अवस्थी ने कहा कि प्लास्टिक पर मानव की निर्भरता इस हद तक बढ़ चुकी कि प्रत्येक व्यक्ति प्रतिवर्ष औसतन पचास हजार से ज्यादा प्लास्टिक कणो का उपभोग करता है।

प्रोफेसर अवस्थी ने अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहा कि प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने के लिए हमें व्यक्तिगत और सामुदायिक स्तर पर भी प्रयास करने होंगे।

अंत में उन्होंने श्रोताओ से आग्रह किया कि प्लास्टिक की थैलियों स्थान पर कपास की थैलियों का प्रयोग करें, अपने बैग में पानी के लिए पुनः प्रयोज्य बोतल रखें, बचे हुए खाने या भोजन की पैकिंग के लिए रेस्तरां में अपने स्वयं के खाद्य-भंडारण कंटेनर लेकर जाए

डॉ सुनील कुमार वेस्ट मैनेजमेंट एंड प्लास्टिक पोलुशन शीर्षक पर अपने व्याख्यान में प्लास्टिक अपशिष्ट और उसके स्रोत, प्लास्टिक अपशिष्ट के निराकरण कि विधियों एवं चुनौतियों, प्लास्टिक अपशिष्ट का पर्यावरणीय प्रभाव और प्लास्टिक अपशिष्ट एवं मानव स्वास्थ्य संबंधी समस्याओ आदि पर चर्चा किया। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक दैनिक उपयोग की लगभग सभी वस्तुओं जैसे- कपडा, आवास, निर्माण, फर्नीचर, ऑटोमोबिल, घरेलू सामान, कृषि, बागवानी, सिंचाई, पैकेजिंग, चिकित्सा उपकरण, विद्युत और संचार सामग्री सभी में होता है जिसके कारण पूरे विश्व में ठोस अपशिष्ट में सबसे बड़ी भूमिका प्लास्टिक की है। इसके बाद निदेशक महोदय ने पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए श्रोताओं को अपनी जीवन शैली में पर्यावरण के अनुकूल बदलाव लाने की शपथ दिलाई और अंत में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान डॉ धर्मेंद्र त्रिपाठी, प्रभारी कुलसचिव और अधिष्ठाता छात्र कल्याण, डॉ लालता प्रसाद (डीन अकादमिक), डॉ रेनू बडोला डंगवाल, डॉ राकेश मिश्रा, समस्त विभागाध्यक्ष एवं अन्य संकाय छात्र और कर्मचारी गण उपस्थित थे।

दैनिक जागरण, शुक्रवार, 09 जून 2023, पृष्ठ संख्या 06.

प्रौद्योगिकी प्रगति के साथ भारत शीर्ष पर : प्रो. अन्नपूर्णा

एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर में कंप्यूटर, इलेक्ट्रानिक्स और उनके अनुप्रयोग पर कार्यशाला शुरू

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल: राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड (एनआइटी) के आडिटोरियम में गुरुवार से कंप्यूटर, इलेक्ट्रानिक्स और इलेक्ट्रिक इंजीनियरिंग और उनके अनुप्रयोग विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला शुरू हो गई। इस कार्यशाला में देश के अन्य उच्च शैक्षणिक संस्थानों और विदेशी संस्थानों से प्राप्त एक हजार से अधिक शोधपत्रों में से स्क्रीनिंग के बाद 300 शोधपत्रों का चयन कार्यशाला के लिए किया गया है।

सभागार में एक भव्य और गरिमामय समारोह में बतौर मुख्य अतिथि गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल ने अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ किया। इस अवसर पर एनआइटी निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी, अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी और प्रबंधन संस्थान ग्वालियर के निदेशक प्रो. एसएन सिंह, डीआरडीओ डील देहरादून के निदेशक डा. राकेश कुमार भारद्वाज भी बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे। टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज डीआरडीओ, टाइफन हिल, जेबी माइक्रोनिक्स, एहटेक, स्टेट बैंक इस अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला के बतौर प्रायोजक सहयोगी हैं।

गढ़वाल केंद्रीय विवि की कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल ने अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन भाषण में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व के कारण ही आज भारत प्रौद्योगिकी और तकनीकी प्रगति को लेकर विश्व में शीर्ष पर पहुंचा है। देश में नवाचारों और शोध क्षेत्र में नए-नए विचारों को लेकर भी नित नए-नए माइल स्टोन स्थापित हो रहे हैं। एनआइटी उत्तराखंड द्वारा पिछले एक वर्ष से किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल ने कहा कि संस्थान के निदेशक प्रो. अवस्थी की पहल से अब एनआइटी आम समाज में भी जाना पहचाना संस्थान बन गया है। उन्होंने कहा कि इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की एब्सस्ट्रैक्ट पुस्तिका और कार्यशाला के उत्कृष्ट प्रस्तुतिकरण से स्पष्ट है कि इस कार्यशाला का निष्कर्ष भी अद्भुत और अद्वितीय होगा। प्रो. अन्नपूर्णा ने कहा कि ऐसे आयोजनों से एक-दूसरे से जुड़ने और एक-दूसरे के साथ सहयोग करने का अवसर भी मिलता है। एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि एनआइटी उत्तराखंड में यह पहली अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला संस्थान के कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग विभाग की संयुक्त पहल से आयोजित हो रही है। प्रो. अवस्थी ने कहा कि इस कार्यशाला के लिए 1010 से ज्यादा शोधपत्र मिले, जिस पर समीक्षा प्रक्रिया के उपरांत कार्यशाला के लिए 300 शोध पत्रों का चयन किया गया। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, ब्लाकचेन, मशीन लर्निंग, क्लाउड कम्प्यूटिंग, बिग डेटा 5 जी, 6 जी के साथ ही रोबोटिक्स, जैव प्रौद्योगिकी में हो रही तकनीकी प्रगति ने दुनिया को एक नया आयाम भी दिया है। प्रो. अवस्थी ने सामाजिक जीवन पर सोशल मीडिया के प्रभाव का जिक्र करते हुए कहा कि तेजी से हो रहे तकनीकी विकास ने भी कई चुनौतियों को जन्म दिया है।

- कार्यशाला के लिए आए एक हजार से अधिक शोधपत्रों में से तीन सौ शोधपत्रों का किया गया चयन
- देश में नवाचारों और शोध क्षेत्र में नए-नए विचारों को लेकर भी नित नए-नए माइल स्टोन स्थापित हो रहे हैं

एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर के सभागार में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि और गढ़वाल केंद्रीय विवि की कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल का संस्थान परिवार की ओर से स्वागत और अभिनंदन करते निदेशक प्रो. ललित अवस्थी ● जागरण

देश के प्रधानमंत्री की योजनाओं में योगदान दे शोधार्थी

श्रीनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान श्रीनगर उत्तराखंड द्वारा कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और उनके अनुप्रयोग (आईसीटूईथ्री-

एनआईटी उत्तराखंड का अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन शुरु

2023) शीर्षक पर अंतर्राष्ट्रीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। जिसमें देश के सभी शोधार्थियों को अपने देश में विनिर्माण और रोजगार सृजन की संस्कृति को बढ़ावा देने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेक इन इंडिया, स्टैंड अप इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की योजनाओं के लिए योगदान देने का आह्वान किया। सम्मेलन में एक हजार शोध पत्रों की समीक्षा प्रक्रिया के बाद मौखिक प्रस्तुति के लिए लगभग 300 शोध पत्रों का चयन किया गया है। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि गढ़वाल विवि की कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल ने कहा कि अब एनआईटी की लोकप्रियता नजर आ रही है, जिसका श्रेय संस्थान के निदेशक प्रो. अवस्थी को जाता है। कहा कि सम्मलेन कि एब्स्ट्रैक्ट पुस्तिका संकलन एवं प्रस्तुतिकरण जितना उत्कृष्ट है और आशा है निष्कर्ष भी उतना ही अद्भुत होगा। अगर हम अपने भीतर काम करते रहेंगे, तो कोई नहीं जान पाएगा कि हम क्या कर रहे हैं। इसलिए सम्मेलन एक-दूसरे को जानने, एक-दूसरे से जुड़ने और एक-दूसरे के साथ सहयोग करने का अवसर प्रदान करते हैं। कार्यक्रम में एनआईटी के निदेशक प्रो. ललित अवस्थी ने कार्यक्रम में पहुंचे सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य शैक्षणिक सहयोग और साझेदारी है, जो नयी शिक्षा नीति 2020 का भी मुख्य लक्ष्य है। उन्होंने आशा जताई कि यह सम्मेलन इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटर प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में नवीनतम रुझानों और नवाचारों प्रस्तुत करने और चर्चा करने के लिए शोधकर्ताओं, चिकित्सकों और शिक्षकों को एक प्रमुख अंत:विषय प्लेट फॉर्म प्रदान करेगा। साथ ही राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग का अवसर प्रदान करेगा। प्रो. अवस्थी ने देश के प्रधानमंत्री की विभिन्न योजनाओं में शोधार्थियों को योगदान देने का आह्वान किया। अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी और प्रबंधन संस्थान के निदेशक प्रो. एसएन सिंह, डॉ. राकेश कुमार भारद्वाज, डॉ. धर्मेंद्र त्रिपाठी, डॉ. प्रकाश द्विवेदी, डॉ सौरव बोस, डॉ पंकज पाल ने भी अपने विचार रखे।

हिन्दुस्तान, शुक्रवार, 09 जून 2023, पृष्ठ संख्या 07.

श्रीनगर में गुरुवार को एनआईटी उत्तराखंड के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन पर मौजूद अतिथि। • हिन्दुस्तान

सम्मेलन | राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान की ओर से अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के पहले संस्करण का उद्घाटन

एनआईटी के शोध नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे

श्रीनगर, संवाददाता। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान की ओर से गुरुवार को कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और उनके अनुप्रयोग शीर्षक पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया गया। मौके पर बतौर मुख्य अतिथि गढ़वाल विवि की कुलपति प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल ने कहा कि अब एनआईटी की लोकप्रियता नजर आ रही है। इसका श्रेय प्रो. एलके अवस्थी को जाता है। प्रो. नौटियाल ने कहा कि मैं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र से संबंधित नहीं हूं, लेकिन मैं प्रौद्योगिकी का उपयोगकर्ता हूं। उन्होंने कहा कि सम्मेलन को एब्स्ट्रैक्ट पुस्तिका संकलन एवं प्रस्तुतिकरण जितना उत्कृष्ट है, निष्कर्ष भी उतना ही अद्भुत होगा। अगर हम अपने भीतर काम करते रहेंगे तो कोई नहीं जान पाएगा कि हम क्या कर रहे हैं। इसलिए सम्मेलन एक-दूसरे को जानने, एक-दूसरे से जुड़ने और एक-दूसरे के साथ सहयोग करने का अवसर प्रदान करते हैं। एनआईटी के निदेशक प्रो.एलके अवस्थी ने कहा कि प्रतिष्ठित तकनीकी संगठन आईईईई के सहयोग से एनआईटी उत्तराखंड में होने वाला यह पहला अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन है और इस का आयोजन संस्थान के कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा सम्मिलित रूप से किया जा रहा है। कहा इस सम्मेलन के महत्व का आकलन इससे किया जा सकता है कि इसमें एक हजार से ज्यादा ने अपने शोध पत्र भेजे है। समीक्षा प्रक्रिया के बाद मौखिक प्रस्तुति के लिए लगभग 300 शोध पत्रों का ही चयन किया गया है। सामाजिक जीवन पर सोशल मीडिया के प्रभाव का जिक्र करते हुए प्रो. अवस्थी ने कहा कि तेजी से हो रहे तकनीकी विकास ने कई चुनौतियों को भी जन्म दिया है। सम्मेलन के आयोजकों डॉ. प्रकाश द्विवेदी, डॉ. सौरव बोस, डॉ पंकज पाल ने कहा कि उपयुक्त पाए गए शोध पत्रों को प्रतिष्ठित आईईईई कांफ्रेंस प्रोसीडिंग में प्रकाशित किया जाएगा। प्रो. एसएन सिंह, निदेशक, अटल बिहारी वाजपेयी-भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी और प्रबंधन संस्थान, ग्वालियर एवं डॉ. राकेश कुमार भारद्वाज, समूह निदेशक डीआरडीओ डील दून आदि थे।

सम्मेलन में पढ़े गए 300 शोध पत्र

एनआईटी

- एनआईटी में सम्मेलन का समापन हुआ
- सम्मेलन में नई शिक्षा नीति पर भी मंथन किया

श्रीनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड की ओर से आयोजित सम्मेलन में एनआईटी के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ने देश के विभिन्न हिस्सों से प्रतिनिधियों और शोधकर्ताओं को आकर्षित किया है। इस मौके पर 300 शोध पत्रों को पढ़ा गया।

शुक्रवार को सम्मेलन के समापन के मौके पर प्रो. ललित ने कहा कि सम्मेलन के प्रथम संस्करण आईसीटूईथ्री-2023 में एक हजार से ज्यादा लोगों ने शोध पत्र भेजे थे। जिनकी समीक्षा करने के बाद 300 शोध पत्रों को मौखिक प्रस्तुतीकरण के लिए आमंत्रित किया गया था। प्रो. अवस्थी ने कहा कि नई शिक्षा नीति में शैक्षणिक और अकादमिक साझेदारी को काफी महत्व दिया गया है। इसी सन्दर्भ में इस सम्मेलन का आयोजन किया गया था। सम्मेलन में इंजीनियरिंग की सर्किट ब्रांचेज यानि कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के क्षेत्रों में काम कर रहे अकादमिक, अनुसंधान एवं विकास और उद्योग के विशेषज्ञों, शोधकर्ता और नवप्रवर्तकों को एक मंच प्रदान करना था। ताकि वे नए विचारों की संकल्पना और मूल्यवान निष्कर्षों और विचारों को परस्पर साझा कर सके। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह सम्मेलन शोधकर्ताओं के बीच अंतः विषय अनुसंधान को बढ़ावा देने के साथ युवा स्नातकों के मन में अनुसंधान के प्रति रुचि पैदा करने में सहायक होगा। इस मौके पर उन्होने कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्षों और सम्मेलन के आयोजकों डा. प्रकाश द्विवेदी, डा. सौरव बोस, डा.पंकज पाल कि सराहना करते हुए कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

तकनीकी क्षेत्र में हो रहे कार्यों से कराया रूबरू

श्रीनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) उत्तराखंड में कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक्स व इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और उनके अनुप्रयोग (आईसीटूईथ्री) विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का समापन हो गया।

मुख्य वक्ता सैन एंटोनियो टेक्सास विवि में कंप्यूटर विज्ञान के डॉ. राजकुमार बनोथ ने फायरवॉल (कंप्यूटर में डाटा सुरक्षा प्रोग्राम) की अगली पीढ़ी की सुरक्षा तकनीकों पर जानकारी दी। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के मुख्य तकनीकी अधिकारी साई प्रसाद परमेश्वरन ने स्टार्ट-अप में बाधाओं पर चर्चा की। एनआईटी के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि नई शिक्षा नीति में शैक्षणिक और अकादमिक साझेदारी को काफी महत्व दिया गया है। संवाद

21 आफलाइन और सात आनलाइन तकनीकी सत्र चले

- वीडियो निगरानी और उनके प्रसंस्करण के पहलुओं पर की गई चर्चा
- एनआइटी उत्तराखंड में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला संपन्न
- शैक्षणिक और अकादमिक साझेदारी को विशेष महत्व दिया गया

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल: कम्प्यूटर, इलेक्ट्रानिक और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और उनके अनुप्रयोग विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड श्रीनगर (एनआइटी) में शुक्रवार को संपन्न हो गई।

इंस्टीट्यूट आफ इलेक्ट्रिकल एण्ड इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियर्स (आइईईई) यूपी अनुभाग से प्रायोजित इस अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में 21 तकनीकी सामान्तर सत्र आफलाइन और सात तकनीकी सत्र आनलाइन संचालित किए गए। विषय विशेषज्ञों के साथ पांच आमंत्रित वार्ताएं भी हुईं। कार्यशाला के अंतिम दिन सेनएंटोनियो टेक्सास विश्वविद्यालय अमेरिका के कम्प्यूटर विभाग की फैकल्टी डा. राजकुमार बनोथ का फायर वाल की अगली पीढ़ी की सुरक्षा तकनीकों पर दिया व्याख्यान प्रभावशाली रहा।

डा. राजकुमार ने एनआइटी निदेशक प्रो. ललित अवस्थी के मार्गदर्शन में ही डाक्टरेट की उपाधि भी प्राप्त की है। अर्थ विश्वविद्यालय अमेरिका डा. भरत भार्गव ने वीडियो निगरानी और उनके प्रसंस्करण के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रतिभागियों के साथ चर्चा की। कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित करते एनआइटी निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शैक्षणिक और अकादमिक साझेदारी को विशेष महत्व दिया गया है।

इसी संदर्भ में आयोजित इस दो दिवसीय कार्यशाला में इंजीनियरिंग की सर्किट ब्रांचेज के क्षेत्रों में काम कर रहे अकादमिक, अनुसंधान एवं विकास और उद्योग के विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं और नव प्रवर्तकों को एक मंच प्रदान करना कार्यशाला का प्रमुख उद्देश्य भी था। कार्यशाला के आयोजन के लिए प्रो. अवस्थी ने डा. प्रकाश द्विवेदी, डा. सौरभ बोस, डा. पंकज पाल के प्रयासों की भी विशेष सराहना की।

गढ़वाल की और भी खबरें पढ़ें www.jagran.com

सबसे तेज प्रधान टाइम्स

एनआईटी श्रीनगर में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

हरिद्वार (सबसे तेज प्रधान टाइम्स)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखंड द्वारा 8-9 जून 2023 को कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और उनके अनुप्रयोग(आईसीटूईई-2023) शीर्षक पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के पहले संस्करण का आयोजन किया जा रहा है।

8 जून 2023 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखंड के पॉलिटेक्निक परिसर में स्थित सभागार में आयोजित सम्मलेन के उद्घाटन समारोह में प्रो. अन्नपूर्णा नौटियाल, कुलपति एचएनबी गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय बतौर मुख्य अतिथि; प्रो. ललित कुमार अवस्थी, निदेशक, एनआईटी उत्तराखंड बतौर मुख्य संरक्षक, प्रो. एस.एन. सिंह, निदेशक, अटल बिहारी वाजपेयी- भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी और प्रबंधन संस्थान, ग्वालियर एवं डॉ. राकेश कुमार भारद्वाज, समूह निदेशक डीआरडीओ डील देहरादून, उत्तराखंड, बतौर सह-संरक्षक के अलावा डॉ. धर्मेंद्र त्रिपाठी, प्रभारी कुलसचिव, एनआईटी उत्तराखंड, विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य एवं सम्मलेन में भाग लेने आये समस्त प्रतिभागी मौजूद थे।

कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियों द्वारा पारम्परिक रूप से दीप प्रज्वलन के साथ किया गया और माननीय निदेशक, एनआईटी उत्तराखंड ने पुष्प गुच्छ और स्मृति चिह्न देकर अतिथियों को सम्मानित किया।

तत्पश्चात प्रोफेसर अवस्थी ने समारोह को सम्बोधित करते हुए अतिथियों और प्रतिभागियो को एनआईटी के शैक्षणिक कार्यक्रम और उपलब्धियों के साथ देवभूमि उत्तराखंड का संक्षिप्त परिचय दिया और बताया कि प्रतिष्ठित तकनीकी संगठन आईईईई के सहयोग से एनआईटी उत्तराखंड में होने वाला यह पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन है और इस का आयोजन संस्थान के कंप्यूटर

साइंस, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा सम्मिलित रूप से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन के महत्व का आंकलन इस बात से किया जा सकता है कि इसमें एक हजार से दस से ज्यादा लोगो ने अपने शोध पत्र भेजे है और अंततः शोध पत्रों की सबमिशन प्रक्रिया को बंद करना पड़ा। उन्होंने बताया कि शोध पत्रों कीसमीक्षा प्रक्रिया के बाद मौखिक प्रस्तुति के लिए लगभग 300 शोध पत्रों का ही चयन किया गया है।

अपने सम्बोधन में कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में हो रही अद्यतन तकनीकी प्रगति का जिक्र करते हुए प्रोफेसर अवस्थी ने सेंसर नेटवर्क, आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, वीएलएसआई, ब्लॉक चेन, क्लाउड कंप्यूटिंग, फॉग कंप्यूटिंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, बिग डेटा 5 जी और 6 जी, इलेक्ट्रिकल वाहन, इंडस्ट्री । आरएफ प्रौद्योगिकी , रोबोटिक्स, जैव प्रौद्योगिकी और साइबर भौतिक प्रणाली में हो रही तकनीकी प्रगति ने दुनिया को नया आयाम दिया है और परिणामस्वरूप एक स्मार्ट दुनिया बन गयी।

सामजिक जीवन पर सोशल मीडिया के प्रभाव का जिक्र करते हुए प्रोफेसर अवस्थी ने कहा कि तेजी से हो रहे तकनीकी विकास ने कई चुनौतियों को भी जन्म दिया है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर वायरल खबर कि सत्यता की जांच एक चुनौती बन चुकी है और कई बार सोशल मीडिया पर प्रचारित असत्य खबरें भयावह रूप ले लेती है। 2022 में रैनसमवेयर हमले का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा की जैसे जैसे तकनीक आगे बढ़ती है वैसे-वैसे साइबर हमलावर भी आगे बढ़ते है। इसीलिए साइबर सुरक्षा भी एक बड़ी चुनौती बनकर उभरी है।

भारत देश के जनसांख्यकीय लाभ के महत्व पर जोर देते उन्होंने देश के सभी शोधार्थियों को अपने देश में विनिर्माण और रोजगार सृजन की संस्कृति को बढ़ावा देने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेक इन इंडिया, स्टैंड अप इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की योजनाओं के लिए योगदान देने का आह्वान किया। हमारे विकसित देश भारत की इस इच्छा को पूरा करने के लिए सभी शिक्षा संस्थान युवाओं के दिमाग को उद्यमी बनने के लिए प्रशिक्षित करने की जरूरत है।

उन्होंने ने कहा की इस प्रकार के सम्मेलनों के आयोजन के पीछे का मुख्य उद्देश्य शैक्षणिक सहयोग और साझेदारी है जो नयी शिक्षा नीति 2020 का भी मुख्य लक्ष्य है। प्रोफेसर अवस्थी ने आशा व्यक्त किया कि यह सम्मेलन इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटर प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में नवीनतम रुझानों और नवाचारों प्रस्तुत करने और चर्चा करने के लिए शोधकर्ताओं, चिकित्सकों और शिक्षकों को एक प्रमुख अंतःविषय प्लेट फॉर्म प्रदान करेगा। साथ ही राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग का अवसर प्रदान करेगा।

अंत में प्रोफेसर अवस्थी ने सभी अतिथियों, प्रायजकों जैसे टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, डीआरडीओ, जेवी माइक्रोनिक्स, ओपल आरटी, टाइफून हिल, एडुटेक आदि का धन्यवाद ज्ञापित किया।

मुख्य अतिथि प्रोफेसर अन्नपूर्णा नौटियाल ने समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि एनआईटी 2009 से यहां काम कर रही है लेकिन समुदाय या समाज द्वारा उपस्थिति महसूस नहीं की गई थी। लेकिन अब एनआईटी लोकप्रियता नजर आ रही है। और इसका श्रेय प्रोफेसर एल के अवस्थी को जाता है। उन्होंने कहा कि यह कार्य हर शैक्षणिक संस्थान पर काम किया जाना चाहिए। यह उनके काम से, उनकी सोचने की प्रक्रिया से प्रदर्शित होना चाहिए। प्रोफेसर नौटियाल ने कहा कि मैं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र से संबंधित नहीं हूं, लेकिन मैं प्रौद्योगिकी का उपयोगकर्ता हूं। उन्होंने कहा कि सम्मलेन कि एब्स्ट्रैक्ट पुस्तिका संकलन एवं प्रस्तुतिकरण जितना उत्कृष्ट है और आशा है निष्कर्ष भी उतना ही अद्भुत होगा। अगर हम अपने भीतर काम करते रहेंगे तो कोई नहीं जान पाएगा कि हम क्या कर रहे हैं। इसलिए सम्मेलन एक-दूसरे को जानने, एक-दूसरे से जुड़ने और एक-दूसरे के साथ सहयोग करने का अवसर प्रदान करते हैं।

सम्मेलन के आयजकों डॉ प्रकाश द्विवेदी, डॉ सौरव बोस डॉ पंकज पाल ने जानकारी दी कि इस सम्मेलन में पेपर की मांग के लिए अभूतपूर्व प्रतिक्रिया मिली और एक हजार से ज्यादा लोगो ने अपने शोध पत्र भेजे। और समीक्षा प्रक्रिया के बाद मौखिक प्रस्तुति के लिए लगभग 300 शोध पत्रों का चयन किया गया है जो इस सम्मेलन की गुणवत्ता का स्वयं परिचायक है। उन्होंने बताया कि इन 300 शोधपत्रों को को एक और समीक्षा प्रक्रिया से गुजरने के बाद उपयुक्त पाए गए पत्रों को प्रतिष्ठित आईईईई, कॉन्फ्रेंस प्रोसीडिंग में प्रकाशित किया जाएगा।

सबसे तेज प्रधान टाइम्स

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान श्रीनगर उत्तराखंड द्वारा दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन

गबर सिंह भण्डारी

हरिद्वार/श्रीनगर गढ़वाल (सबसे तेज प्रधान टाइम्स)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखंड द्वारा आयोजित और तकनीकी रूप इंस्टिट्यूट ऑफ़ इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स (आईईईई) यूपी अनुभाग द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय राष्ट्रीय सम्मेलन कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और उनके अनुप्रयोग(आईसीटूईथ्री-2023) का समापन जून 9, 2023 को संस्थान के प्रशासनिक भवन में स्थित सम्मेलन कक्ष में किया गया। समापन समारोह को सम्बोधित करते हुए संस्थान के निदेशक प्रोफेसर ललित कुमार अवस्थी ने जानकारी दी कि एनआईटी, उत्तराखंड के इतिहास में पहली बार किसी सम्मेलन को आईईईई जैसे प्रतिष्ठित संगठन द्वारा प्रायोजित किया गया है।

प्रोफेसर अवस्थी ने कहा इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन ने देश के विभिन्न हिस्सों से प्रतिनिधियों और शोधकर्ताओं को आकर्षित किया है। सम्मेलन के प्रथम संस्करण आईसीटूईथ्री-2023 में एक हजार से ज्यादा लोगों ने शोध पत्र भेजे थे जिनकी समीक्षा करने के बाद 300 शोध पत्रों को मौखिक प्रस्तुतीकरण के लिए आमंत्रित किया गया था। %% उन्होंने बताया कि इन दो दिनों के दौरान 21 तकनीकी समानांतर सत्र ऑफलाइन और सात तकनीकी सत्र ऑनलाइन माध्यम से संचालित किये गए। इसके अलावा पांच आमंत्रित वार्ताए हुई।

प्रोफेसर अवस्थी ने आगे कहा कि नयी शिक्षा नीति में शैक्षणिक और अकादमिक साझेदारी को काफी महत्व दिया गया है। इसी सन्दर्भ में इस सम्मेलन का आयोजन किया गया था।और इस दो दिवसीय सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य इंजीनियरिंग की सर्किट ब्रांचेज यानि कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के क्षेत्रों में काम कर रहे अकादमिक, अनुसंधान एवं विकास और उद्योग के विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं और नवप्रवर्तकों को एक मंच प्रदान करना था ताकि वे नए विचारों की संकल्पना और मूल्यवान निष्कर्षों और विचारों को परस्पर साझा कर सके। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह सम्मेलन शोधकर्ताओं के बीच अंत:विषय अनुसंधान को बढ़ावा देने के साथ युवा स्नातकों के मन में अनुसंधान के प्रति रुचि पैदा करने में सहायक होगा।

अंत में प्रोफेसर अवस्थी ने कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्षों और सम्मेलन के आयोजकों डॉ प्रकाश द्विवेदी, डॉ सौरव घोस डॉ पंकज पाल कि सराहना करते हुए कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए बधाई दिया।

इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण आमंत्रित वक्ता तहत दिए गए विशेषज्ञ व्याख्यान रहे जिसमे विशेषज्ञो ने कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में आधुनिकतम प्रगति से प्रतिभागियों को रूबरू कराया। इस श्रृंखला में प्रोफेसर अवस्थी के मागदर्शन में डॉक्टरेट कि उपाधि अर्जित करने वाले और वर्तमान में कंप्यूटर विज्ञान विभाग, सैन एंटोनियो, टेक्सास विश्वविद्यालय में कार्यरत डॉ. राजकुमार बनोथ व्याख्यान काफी सराहनीय रहा। डॉ बनोथ ने फ़ायरवॉल की अगली पीढ़ी की सुरक्षा तकनीकों पर विचार प्रस्तुत करते हुए फ़ायरवॉल से संबंधित मौजूदा सुरक्षा चिंताओं को दूर करने और सुधारने के बारे में चर्चा की। डॉ. भरत भार्गव, कंप्यूटर विज्ञान विभाग, पर्डयू विश्वविद्यालय, अमेरिका ने वीडियो निगरानी और उनके प्रसंस्करण के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा किया। साई प्रसाद परमेश्वरन, सीटीओ, आईओटी और डिजिटल इंजीनियरिंग, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने स्टार्ट-अप में बाधाओं पर चर्चा करते हुए टीसीएस के परिप्रेक्ष्य में उभरते अनुसंधान क्षेत्रों के बारे में जानकारी दिया। सभी व्याख्यानों और तकनीकी सत्रों में, प्रतिभागियों ने विशेषज्ञों के साथ बातचीत की और कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों के विभिन्न पहलुओं में उनके संभावित अनुप्रयोगों के बारे में ज्ञान प्राप्त किया।

सबसे तेज प्रधान टाइम्स

भारत सरकार द्वारा चलाया जा रहा महाजनसंपर्क अभियान के तहत राज्यसभा सांसद विवेक ठाकुर ने शनिवार को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान श्रीनगर का भ्रमण किया

गबर सिंह भण्डारी

हरिद्वार/श्रीनगर गढ़वाल (सबसे तेज प्रधान टाइम्स)। भारत सरकार द्वारा चलाये जा रहे महाजनसंपर्क अभियान के तहत राज्यसभा सांसद विवेक ठाकुर ने शनिवार को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखंड का भ्रमण किया।

संकाय सदस्यों के साथ बैठक करते हुए सांसद ने कहा कि भारत अब एक योजना आधारित राष्ट्र के रूप कार्य कर रहा है। अव्यवस्थित और एडहॉक जैसी प्रकृति और प्रवृत्ति अब खत्म हो चुकी है। भारत विज्ञान, तकनीक, रक्षा और राष्ट्रनीति आदि सभी क्षेत्रो में रणनीतिक तौर पर कार्य कर रहा है।

भारत के जनसांख्यिकीय लाभ का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, हमारे पास देश की सभी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त मानव बल है, उन्हें बस देश की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल प्रदान करने

की जरूरत है।

सांसद ने शोध-नवप्रवर्तन पर जोर देते कहा की यदि भारत के विकसित राष्ट्र के सपने को पूरा करना है तो एनआईटी जैसे राष्ट्रीय महत्व के शैक्षणिक संस्थानों को नवाचार और डिजिटल रूप से संचालित, ज्ञान-आधारित 21वीं सदी की आवश्यकताओं के अनुरूप कुशल जनशक्ति तैयार करने में बड़ी भूमिका निभानी होगी।

इस अवसर पर संस्थान के प्रभारी कुल सचिव डॉ धर्मेंद्र त्रिपाठी ने सांसद को एनआईटी उत्तराखंड और निदेशक प्रोफेसर ललित कुमार अवस्थी के के बारे में संक्षिप्त परिचय दिया। उन्होंने कि संस्थान के युवा संकाय सदस्य दूरस्थ स्थान और संसाधनों की सीमित उपलब्धता के बावजूद शोध, कंसल्टेंसी, पेटेंट और परियोजना लेखन में निरंतर लगे है और सांसद को विश्वास दिलाया कि निदेशक के प्रगतिशील, सकारात्मक दृष्टिकोण और कुशल नेतृत्व में एनआई टी उत्तराखंड, भारत के विकसित राष्ट्र के सपने को पूरा करने के लिए सदैव समर्पित है ।

सबसे तेज प्रधान टाइम्स

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान श्रीनगर उत्तराखंड में आजादी के अमृत महोत्सव को समर्पित नौवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पूरी भव्यता और गौरव के साथ मनाया गया

गबर सिंह भण्डारी

हरिद्वार/पौडी/श्रीनगर गढ़वाल (सबसे तेज प्रधान टाइम्स)। आजादी का अमृत महोत्सव को समर्पित नौवें अंतराष्ट्रीय योग दिवस पर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखंड में सशस्त्र सीमा बल श्रीनगर गढ़वाल एवं रोटरी क्लब श्रीनगर गढ़वाल के सहयोग से योगोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर वसुधैव कुटुम्बकम की भावना के साथ एनआईटी के छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों और एसएसबी जवानों सहित करीब 250-300 योगसाधकों ने एक साथ मिलकर योगाभ्यास किया।

योग शिविर का शुभारम्भ निदेशक प्रोफेसर ललित कुमार अवस्थी के संबोधन के साथ शुरू हुआ। समारोह को सम्बोधित करते हुए प्रोफेसर अवस्थी ने कहा कि योग प्राचीन भारत की अनमोल परम्पराओं में से एक ऐसी विद्या जिसका प्रयोग भारत ही नहीं अपितु समूचा संसार अपने शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य के संवर्धन एवं संरक्षण के साथ विभिन्न रोगों के उपचार में कर रहा है। योग का ऐतिहासिक परिचय देते हुए उन्होंने कहा कि वेदों कि भारतीय संस्कृति में भी योग परंपरा का वर्णन है और महर्षि पतंजलि ने विभिन्न आसनों और ध्यान-पारायण क्रियाओ को सुव्यवस्थित कर योग सूत्रों को संहिताबद्ध किया है। भगवद्गीता के श्लोक योग: कर्मसु कौशलम को उद्धृत करते हुए प्रोफेसर अवस्थी ने कहा कि किसी भी

काम को निपुणता से करना और अपने मन को नियंत्रित और उसके अनुसार दिनचर्या को नियमित करना भी अपने आप में एक योग है। यदि हम इस सार को समझ लेते है, तो योग से जुड़ी जीवन शैली को हम और आसानी से समझ सकेंगे।

योग की महत्ता का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास व्यक्ति को तनाव से मुक्ति,निरोगी काया, शारीरिक दृढ़ता प्रदान करने के साथ उसके अंदर सहनशीलता, रचनात्मकता, सकारात्मक दृष्टिकोण जैसे गुणों को विकसित करते हुए संपूर्ण विश्व को एक परिवार के रूप में देखने की भावना जागृत करने में सहायक होता है।

छात्र जीवन में योग के विशेष महत्व पर जोर देते हुए प्रोफेसर अवस्थी ने कहा कि जब एक छात्र के जीवन में योग के महत्व की बात आती है, तो यह उन्हें संतुलित अवस्था और मन की शांति बनाए रखते हुए चिंता मुक्त करने में मदद करता है जो अंतत: छात्रों को बेहतर अकादमिक प्रदर्शन करने और उन्हें अपनी क्षमता का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में मदद करता है। उन्होंने कहा कि अध्ययन के मुताबिक यह पाया गया है कि योगाभ्यास करने से छात्रों की एकाग्रता अवधि में सुधार होता है, उनका अपनी भावनाओं और आवेगों पर बेहतर नियंत्रण होता है और इसलिए वे व्यावहारिक होते हैं और जीवन में सार्थक निर्णय लेने में तुलनात्मक रूप से अधिक सक्षम होते है । उन्होंने कहा कि योगाभ्यास छात्रों के अंदर आत्म-सम्मान, आत्मविश्वास रचनात्मकता और सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के साथ साथ चिंता, अवसाद,नशे के प्रवृत्ति, ब्लडप्रेशर, शुगर जैसी विभिन्न प्रकार की मानसिक और शारीरिक दुर्बलताओं से मुक्ति दिलाने में अद्भुत काम कर सकता है।

इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार प्रकट करते हुए उन्होंने कहा कि योग तो हम सदियों से करते आए हैं पर प्रधानमंत्री ने योग को न केवल अन्तरराष्ट्रीय पहचान दिलाई, बल्कि उनके अथक प्रयसों के परिणाम स्वरुप संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित किया गया और 2015 से प्रतिवर्ष 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस संपूर्ण विश्व में पूरी भव्यता और गौरव के साथ मनाया जाता है।

अपने सम्बोधन के समापन में प्रोफेसर अवस्थी ने योग प्रशिक्षकों, एनआईटी के छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों और एसएसबी के जवानों को इस राष्ट्रीय महापर्व में भाग लेने के लिए धन्यवाद दिया और सभी प्रतिभागियों का आह्वाहन किया कि वे योग दिवस के इस पवन अवसर पर वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को अपने मन में व्याप्त करने और योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करते हुए प्राचीन भारतीय जीवन शैली से जुड़ी इस महान परंपरा को आगे बढ़ाने का संकल्प लें।

इस योगोत्सव कार्यक्रम में एच एन बी गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के योग विभाग के प्रशिक्षकों जयराम एवं लक्ष्मीकांत के मार्गदर्शन में सभी प्रतिभागियों ने ताड़ासन, मकरासन, वृक्षासन, वज्रासन एवं अनुलोमविलोम, शीतली, उज्जयी, भ्रामरी, भस्त्रिका आदि विभिन्न योग आसन और प्राणायाम क्रियाएं की। समारोह के अंत में निदेशक प्रोफेसर ललित कुमार अवस्थी ने योग प्रशिक्षकों और एसएसबी के अधिकारियो को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया और कार्यक्रम के संचालक डॉ राकेश कुमार मिश्रा ने सभी प्रतिभागियों एवं प्रशिक्षकों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

भाषण में सक्षम व चित्रकला में वर्षा ने मारी बाजी

श्रीनगर। एनआईटी उत्तराखंड में साहित्यिक क्लब की ओर से भाषण व चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। भाषण में सक्षम और चित्रकला प्रतियोगिता में वर्षा ने बाजी मारी।

एनआईटी परिसर में आयोजित प्रतियोगिता का उद्घाटन निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने किया। उन्होंने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव और जी-20 शिखर सम्मेलन की सफलता की दिशा में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय जनभागीदारी अभियान चला रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के प्रति युवा पीढ़ी को जागरूक बनाना है। भारत में महिलाओं की सुरक्षा विषय पर हुई भाषण प्रतियोगिता में 17 व महिला सशक्तीकरण पर हुई चित्रकला प्रतियोगिता में 11 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। संवाद

युवा उद्यमिता और स्टार्टअप के क्षेत्रो में आगे आएं : अवस्थी

एनआईटी में पांच दिवसीय बूटकैंप प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

श्रीनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), उत्तराखंड में राज्य के विद्यालयी छात्रों में उद्यमिता की संस्कृति और मानसिकता विकसित करने के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल टीचर्स ट्रेनिंग एंड रिसर्च (एनआईटीटीटीआर) चंडीगढ़ के उद्यमिता और ग्रामीण विकास केंद्र के सहयोग से उद्यमशीलता की भावना का ज्ञानवर्धन विषय पर पांच दिवसीय आवासीय बूटकैंप प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए एनआईटी के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि विचार की उत्पत्ति को वास्तविकता में बदलने के लिए विचार को एक व्यावसायिक मॉडल में विकसित करना ही उद्यमिता है। कहा की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का यह अथक प्रयास है की राज्य के युवा उद्यमिता और स्टार्टअप के क्षेत्रो में आगे आये। स्टार्टअप और इच्छुक उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार ने सीड फंडिंग का भी प्रावधान रखा है, फिर भी युवा लोग उद्यमिता और स्टार्टअप के क्षेत्र में आने से कतराते है। जबकि, उच्च भुगतान वाली नौकरियों के प्रति उनका रुझान ज्यादा है। प्रो. अवस्थी ने कहा उद्यमिता केवल विलक्षण प्रतिभा और विशेषाधिकार प्राप्त लोगों के लिए है, यह अवधारणा वर्तमान में बड़ी संख्या में लोगों को उद्यमिता को कैरियर के रूप में अपनाने से रोकता है।

कहा की इस मिथक पर नियंत्रण की आवश्यकता है और इसके लिए यह आवश्यक है कि लोगों में उद्यमिता के प्रति जागरूकता पैदा की जाये। जिसकी शुरुआत के लिए विद्यालयी छात्र सबसे उपयुक्त है, क्योंकि स्कूल बच्चों की मानसिकता को आकार देते है, और वर्तमान में स्कूल बच्चो को सुरक्षित रास्ता अपनाते हुए केवल नौकरी पाने का प्रशिक्षण दे रहे है। इस मौके पर एचआईआईएमएस अस्पताल के आईपीडी प्रमुख डॉ. अनु भारद्वाज, चेतन सहोरे ने समारोह को सम्बोधित करते हुए प्रशिक्षण शिविर का संक्षिप्त विवरण दिया। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के साथ-साथ केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख के कक्षा 8वीं से आगे के स्कूली छात्रों के लिए बनाया गया है। इसका उद्देश्य देश में सरकारी माध्यम से प्रदान किए जाने वाले उद्यमशीलता के अवसरों के बारे में जागरूकता फैलाना और उत्साही, उद्यमशील युवाओं की पहचान करके भविष्य के विकास के लिए उन्हे सक्षम बनाना है।

हिन्दुस्तान, शनिवार, 24 जून 2023, पृष्ठ

युवा उद्यमिता और स्टार्टअप क्षेत्र में आगे आएं: अवस्थी

श्रीनगर, संवाददाता। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड में राज्य के विद्यालयी छात्रों में उद्यमिता की संस्कृति और मानसिकता विकसित करने के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल टीचर्स ट्रेनिंग एंड रिसर्च, चंडीगढ़ के उद्यमिता और ग्रामीण विकास केंद्र के सहयोग से उद्यमशीलता की भावना का ज्ञानवर्धन विषय पर पांच दिनी बूटकैंप प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

इस मौके पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए एनआईटी के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि विचार की उत्पत्ति और वास्तविकता में बदलने के लिए उस विचार को एक व्यावसायिक मॉडल में विकसित करना ही उद्यमिता है। प्रो. अवस्थी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का यह अथक प्रयास है कि राज्य के युवा उद्यमिता और स्टार्टअप के क्षेत्रों में आगे आएं। स्टार्टअप और इच्छुक उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार ने सीड फंडिंग का भी प्रावधान रखा है। एचआईआईएमएस अस्पताल के आईपीडी प्रमुख डा. अनु भारद्वाज व एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़ के चेतन सहोरे ने प्रशिक्षण शिविर का संक्षिप्त विवरण दिया। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम कक्षा 8वीं से आगे के स्कूली छात्रों को बनाया गया है।

एनआईटी उत्तराखंड श्रीनगर में शुक्रवार को प्रशिक्षण शिविर के शुभारंभ पर मौजूद अतिथि।

दैनिक जागरण, शनिवार, 24 जून 2023,

एनआईटी उत्तराखंड श्रीनगर के निदेशक प्रो. ललित अवस्थी का कार्यशाला में अभिनंदन करतीं डा. अनु भारद्वाज • जागरण

नव उद्यमियों के लिए अपार अवसर

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल: राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइटी) उत्तराखंड श्रीनगर के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि विचार को एक व्यवसायिक माडल में विकसित करना ही उद्यमिता होती है। नेशनल इंस्टीट्यूट आफ टेक्नीकल टीचर्स ट्रेनिंग एंड रिसर्च चंडीगढ़ के उद्यमिता एवं ग्रामीण विकास केंद्र के सहयोग से एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर में उद्यमशीलता की भावना का ज्ञानवर्द्धन विषय को लेकर आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन करते हुए उन्होंने यह विचार व्यक्त किए। प्रो. अवस्थी ने कहा नव उद्यमियों और नव प्रवर्तकों के लिए भारत में अपार अवसर उपलब्ध हैं। एनआइटीटीटीआर चंडीगढ़ के सहयोग से भविष्य में एनआइटी उत्तराखंड ऐसे शिविरों की एक श्रृंखला भी आयोजित करेगा। विशिष्ट अतिथि डा. अनु भारद्वाज ने कहा कि उत्तराखंड के साथ ही पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़, जम्मू कश्मीर, लद्दाख के कक्षा आठ से आगे के छात्रों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। जिससे स्कूली बच्चों में उद्यमशीलता के अवसरों को लेकर जागरूकता बढ़ाना है।

सबसे तेज प्रधान टाइम्स

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड राज्य के शैक्षणिक, आर्थिक एवं सामाजिक क्षेत्रों के विकास में अपनी सहभागिता के लिए सदैव तत्पर है

गब्बर सिंह भण्डारी

हरिद्वार/श्रीनगर गढ़वाल (सबसे तेज प्रधान टाइम्स)। उत्तराखंड राज्य के शैक्षणिक, आर्थिक, सामाजिक एवं अन्य सभी क्षेत्रों के विकास में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखंड सदैव तत्पर है। संस्थान अपनी इस प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए निदेशक प्रोफेसर ललित कुमार अवस्थी के दिशा निर्देशन में विभिन्न प्रकार की आउटरीच गतिविधियों, कार्यशालाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं तकनीकी प्रतियोगिताओ का आयोजन करता रहता है। इसी श्रृंखला में, उत्तराखंड राज्य के विद्यालयी छात्रों में उद्यमिता की संस्कृति और मानसिकता विकसित करने के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल टीचर्स ट्रेनिंग एंड रिसर्च (एनआईटीटीटीआर), चंडीगढ़ के उद्यमिता और ग्रामीण विकास केंद्र के सहयोग से एनआईटी में जून 22-26, 2023, तक एक आवासीय बूटकैंप प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है जिसका शीर्षक है उद्यमशीलता की भावना का ज्ञानवर्धन। इस पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन गुरुवार 22 जून को एनआईटी के प्रशासनिक भवन स्थित सम्मलेन कक्ष में आयोजित किया गया जिसमे निदेशक प्रोफेसर ललित कुमार अवस्थी बतौर मुख्य अतिथि और एचआईआईएमएस अस्पताल के आईपीडी प्रमुख डॉ अनु भारद्वाज जी एवं एनआईटीटीटीआर, चंडीगढ़ में उद्यमिता और ग्रामीण विकास केंद्र के प्रमुख, चेतन सहोरे विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थे।

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए प्रोफेसर अवस्थी ने कहा विचार की उत्पत्ति और वास्तविकता में बदलने के लिए उस विचार को एक व्यावसायिक मॉडल में विकसित करना ही उद्यमिता है। उन्होंने कहा

की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का यह अथक प्रयास है की राज्य के युवा उद्यमिता और स्टार्टअप के क्षेत्रो में आगे आये। स्टार्टअप और इच्छुक उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार ने सीड फंडिंग का भी प्रावधान रखा है, फिर भी युवा लोग उद्यमिता और स्टार्टअप के के क्षेत्र में आने से कतराते है जबकि उच्च भुगतान वाली नौकरियों के प्रति उनका रुझान ज्यादा है। प्रोफेसर अवस्थी ने कहा उद्यमिता केवल विलक्षण प्रतिभा और विशेषाधिकार प्राप्त लोगों के लिए है, यह अवधारणा वर्तमान में बड़ी संख्या में लोगों को उद्यमिता को कैरिअर के रूप में अपनाने से रोकता है। उन्होंने कहा की इस मिथक पर नियंत्रण की आवश्यकता है और इसके लिए यह आवश्यक है कि लोगों में उद्यमिता के प्रति जागरूकता पैदा की जाये। जिसकी शुरुआत के लिए विद्यालयी छात्र सबसे उपयुक्त है क्योंकि स्कूल बच्चों की मानसिकता को आकार देते हैं, और वर्तमान में स्कूल बच्चो को सुरक्षित रास्ता अपनाते हुए केवल नौकरी पाने का प्रशिक्षण दे रहे है। उन्होंने प्रतिभागी छात्रों से कहा कि उद्यमिता के क्षेत्र में सकारात्मक मानसिकता और दृढ़ इच्छाशक्ति की बहुत बड़ी भूमिका होती है। एक उद्यमी का सबसे पहला लक्षण है कि सुरक्षित और तुलनात्मक रूप से आसान विकल्प होने के बावजूद भी वह अपनी सोच और महत्वाकांक्षा को पूरा करने के लिए रिस्क उठाने से पीछे नहीं हटता है। जबकि भारतीय समाज में, ठीक इसके विपरी बच्चों को घर से लेकर स्कूल तक सभी जगह सुरक्षित रास्ता चुनने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है।

प्रोफेसर अवस्थी ने आगे कहा कि जो लोग भूलना जानते है और भूलकर दोबारा सीखना जानते हैं वे ही सफल होते हैं। भारत नए उद्यमियों और नवप्रवर्तको के लिए एक केंद्र के रूप में उभर रहा है। उन्होंने छात्रों को प्रेरित किया कि सदैव सुरक्षित रास्ता अख्तियार करने की मानसिकता को भूलकर रिस्क उठाने के लिए तैयार रहना होगा तभी उद्यमिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि जरूरी नहीं की पहली बार में ही सफलता मिल जाए लेकिन डटे रहे तो सफलता जरूर मिलेगी यह जरूरी है। उन्होंने छात्रों से कहा कि अवसर नियमित अंतराल में हर किसी के दरवाजे पर दस्तक देता है, और जो लोग अवसरों की कसौटी पर खरे उतरते है वे जीवन में सफलता के शिखर को प्राप्त करने में सक्षम होते है। उन्होंने छात्रों को प्रशिक्षण कार्यक्रम को एक अवसर के रूप में देखते हुए इसका भरपूर लाभ उठाने का सुझाव दिया। मौके पर प्रोफेसर अवस्थी ने घोषणा की कि एनआईटी, उत्तराखंड, एनआईटीटीटीआर, चंडीगढ़ के सहयोग से इस प्रकार के बूटकैंप की एक श्रृंखला आयोजित करने वाला है। जिसका मुख्य उद्देश्य इस कार्यक्रम के प्रतिभागियों का समुचित मार्गदर्शन , अन्य इच्छुक छात्र जो किसी कारण वश इस कार्यक्रम में नहीं चयनित हो पाए थे , उनको प्रशिक्षण का मौका देना है ताकि उद्यमिता, स्टार्टअप और नवप्रवर्तन के माध्यम से सामाजिक, तकनीकी और ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार सृजन को बढ़ाया जा सके और और उत्तराखंड राज्य के शहरी, ग्रामीण और अर्ध शहरी क्षेत्रों के विकास में एनआईटी की भागीदारी को सुनिश्चित किया जा सके।

सम्बोधन के अंत में प्रोफेसर अवस्थी ने कार्यक्रम के संचालक डॉ डुंगली श्रीहरि और डॉ टी सुधाकर को बधाई दी और चेतन सहोरे और उनकी टीम कि सराहना करते हुए कहा कि छात्रों की मानसिकता में सकारात्मक बदलाव करके उद्यमी मानसिकता विकसित करने का विचार अपने आप में एक महान कार्य है।

डॉ अनु भारद्वाज और चेतन सहोरे ने समारोह को सम्बोधित करते हुए प्रशिक्षण शिविर का संक्षिप्त विवरण दिया। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के साथ-साथ केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख के कक्षा 8वीं से आगे के स्कूली छात्रों के लिए बनाया गया है। इसका उद्देश्य देश में सरकारी माध्यम से प्रदान किए जाने वाले उद्यमशीलता के अवसरों के बारे में जागरूकता फैलाना और उत्साही, उद्यमशील युवाओं की पहचान करके भविष्य के विकास के लिए उन्हें सक्षम बनाना है। उन्होंने आगे कहा कि इन पांच दिनों के दौरान व्यक्तित्व मूल्यांकन, उद्यमिता की मूल बातें, आइडिया जनरेशन, व्यवसाय योजना, उद्यमिता सम्बन्धी सरकारी योजनाओ, परियोजनाओं या विचारों के लिए धन प्राप्त करना आदि मुद्दों पर चर्चा की जायेगी।

पिंचिंग में मानव-अगस्त्य की टीम जीती

खेल

श्रीनगर, संवाददाता। उत्तराखंड श्रीनगर में उद्यमशीलता की भावना का ज्ञानवर्धन विषय पर आयोजित पांच दिवसीय आवासीय बूटकैंप कार्यक्रम का समापन हो गया है। कार्यक्रम के अंतिम दिन पिचिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिनका मूल्यांकन करने के बाद दिल्ली पब्लिक स्कूल रानीपुर हरिद्वार के मानव चौहान, अगस्त्य पांडेय एवं पुलकित राजपूत की टीम को विजेता घोषित किया गया।

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल टीचर्स ट्रेनिंग एंड रिसर्च (एनआईटीटीटीआर) चंडीगढ़ के उद्यमिता और ग्रामीण विकास केंद्र के सहयोग से आयोजित इस बूटकैंप में राज्य के स्कूलों में अध्ययनरत आठवीं कक्षा से आगे के विद्यालयी छात्रों को उत्पाद डिजाइन, डिज़ाइन थिंकिंग, बिजनेस मॉडलिंग और उद्यम योजना आदि विषयों गहन अनुभवात्मक प्रशिक्षण दिया गया। मौके पर एचआईआईएमएस अस्पताल के आईपीडी प्रमुख डा. अनु भारद्वाज, अमित दास, धर्मेंद्र त्रिपाठी मौजूद रहे।

श्रीनगर में मंगलवार को पिचिंग प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ी।

अमर उजाला, बुधवार, 28 जून 2023, पृष्ठ संख्या 06.

पिचिंग प्रतियोगिता में हरिद्वार अव्वल

एनआईटी में 'उद्यमशीलता की भावना का ज्ञानवर्धन' शीर्षक पर बूटकैंप आयोजित

संवाद न्यूज एजेंसी

व्यावसायिक मॉडलों का प्रदर्शन दून के चार और चंडीगढ़ के एक छात्र ने किया प्रतिभाग

श्रीनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) उत्तराखंड में उद्यमशीलता की भावना का ज्ञानवर्धन शीर्षक पर पांच दिवसीय आवासीय बूटकैंप आयोजित किया गया। इस मौके पर पिचिंग प्रतियोगिता में दिल्ली पब्लिक स्कूल रानीपुर हरिद्वार के छात्रों की ओर से तैयार मॉडल सर्वश्रेष्ठ रहा।

एनआईटी के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने ऑनलाइन संबोधन में कहा यह कार्यक्रम उन युवा नवप्रवर्तकों के लिए डिजाइन किया गया है जो भविष्य में उद्यमिता का मार्ग अपनाकर नौकरी खोजने के बजाय रोजगार के अवसरों का निर्माण करना चाहते हैं।

एचआईआईएमएस अस्पताल के आईपीडी प्रमुख डॉ. अनु भारद्वाज ने आयुर्वेद में उद्यमिता के अवसर, सौरभ नंदा ने व्यक्तित्व परीक्षण एवं मानसिकता, अमित दास ने आइडिया जनरेशन, आईआईटी कानपुर के अमित शुक्ला ने प्रौद्योगिकी और उद्यमिता एवं एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़ के चेतन सहोरे ने उद्यमिता की मूल बातें और उद्यमिता में उद्देश्य की भूमिका और तरीके, व्यवसाय योजना, फंडिंग मॉडल और राजस्व मॉडल, पिचिंग की मूल बातें आदि विषयों पर विचार रखे।

इस मौके पर छात्रों ने व्यावसायिक मॉडल का प्रदर्शन किया जिसमें दिल्ली पब्लिक स्कूल रानीपुर, हरिद्वार के मानव चौहान, अगस्त्य पांडेय, पुलकित राजपूत की टीम को विजेता घोषित किया गया। शिविर में मां आनंदमयी मेमोरियल स्कूल देहरादून के तीन छात्र, द रॉयल कॉलेज देहरादून से एक छात्र, स्टेपिंग स्टोंस स्कूल चंडीगढ़ से एक छात्र तथा दिल्ली पब्लिक स्कूल रानीपुर, हरिद्वार से 20 छात्रों ने प्रतिभाग किया।

नौकरी खोजने के बजाय नौकरी प्रदाता बनना लक्ष्य बनाएं

- एनआइटी में संचालित पांच दिवसीय आवासीय बूथ कैंप प्रशिक्षण संपन्न
- स्कूली छात्र-छात्राओं में उद्यमिता विकास को लेकर की गई पहल

एनआइटी श्रीनगर में आयोजित उद्यमिता विकास शिविर के समापन समारोह में सामाजिक कार्यकर्ता रामगोपाल का संस्थान की ओर से अभिनंदन करते एनआइटी कुलसचिव डा. धर्मेंद्र त्रिपाठी ● जागरण

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल: एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि भविष्य में उद्यमिता का मार्ग अपनाकर छात्रों और युवाओं को नौकरी खोजने के बजाय रोजगार के अवसरों का निर्माण करने को लेकर नौकरी प्रदाता बनना चाहिए। इसी उद्देश्य को लेकर शिविर का आयोजन किया गया जिससे छात्रों में उद्यमिता विकास की भावना जागृत हो सके।

उद्यमशीलता की भावना का ज्ञानवर्द्धन विषय को लेकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड श्रीनगर (एनआइटी) में संचालित पांच दिवसीय आवासीय बूथ कैंप प्रशिक्षण के समापन पर नेशनल इंस्टीट्यूट आफ टेक्नीकल टीचर्स ट्रेनिंग एण्ड रिसर्च (एनआइटीटीटीआर) चंडीगढ़ के उद्यमिता एवं ग्रामीण विकास केंद्र के सहयोग से आयोजित इस प्रशिक्षण बूथ कैंप कार्यक्रम के माध्यम से स्कूली छात्रों को आठवीं कक्षा से उत्पाद डिजाइन, डिजाइन थिंकिंग, बिजनेस माडलिंग और उद्यम योजना आदि विषयों पर अनुभव के आधार पर प्रशिक्षण दिया। समारोह को संबोधित करते हुए एनआइटी के कुलसचिव डा. धर्मेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि उद्यमिता, स्टार्टअप और नव प्रवर्तन बेरोजगारी दूर करने में भी प्रमुख भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि एनआइटी निदेशक प्रो. अवस्थी की दूरदर्शिता और मार्गदर्शन से ही स्कूली छात्रों में उद्यमिता विकास को लेकर यह पहल की गयी। विशिष्ट अतिथि और सामाजिक कार्यकर्त्ता रामगोपाल ने कहा कि स्टार्टअप और नव प्रवर्तन के विकास से बेरोजगारी दूर होगी। युवाओं में उद्यमिता की सोच विकसित होनी जरूरी है। समापन शिविर में डीपीएस रानीपुर हरिद्वार स्कूल के मानव चौहान, अगस्त्य पांडे, पुल्कित राजपूत की टीम को विजेता घोषित किया गया। समापन समारोह में संस्थान की ओर से कुलसचिव डा. धर्मेंद्र त्रिपाठी ने सामाजिक कार्यकर्त्ता और विशिष्ट अतिथि रामगोपाल का स्वागत किया। दिल्ली पब्लिक स्कूल रानीपुर हरिद्वार के 20 छात्रों के साथ ही मां आनंदमयी मैमोरियल स्कूल देहरादून के तीन, द रायल कालेज देहरादून के एक, स्टेपिंग स्टोन्स स्कूल चंडीगढ़ के एक छात्र ने भी इस प्रशिक्षण शिविर में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम आयोजक डा. गुलली श्रीहरि ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। डा. टी सुधाकर के साथ ही एनआइटी की अन्य फैकल्टियां भी इस अवसर पर मौजूद थीं।

उद्यमशीलता विकसित करने के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण शुरू

श्रीनगर। उत्तराखंड के युवाओं में उद्यमशीलता विकसित किए जाने के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण के तहत एनआईटी उत्तराखंड की ओर से पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई है।

कार्यशाला में देश के विभिन्न राज्यों के 35 छात्र-छात्राएं प्रतिभाग कर रहे हैं। एनआईटी उत्तराखंड की ओर से एनआईटीटीटीआर (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल टीचर्स ट्रेनिंग एंड रिसर्च) चंडीगढ़ के सहयोग से आवासीय बूटकैंप प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया है।

'उद्यमशीलता की भावना का ज्ञानवर्धन' कार्यशाला में युवा पीढ़ी को उद्यम के विविध पहलुओं की जानकारी दी। संस्थान के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि उत्तराखंड के युवाओं में उद्यमशीलता शिक्षा के साथ-साथ विकसित किए जाने को लेकर यह कार्यशाला आयोजित की गई है। संवाद

राष्ट्रीय सहारा, बुधवार, 28 जून 2023, पृष्ठ संख्या 06.

पिचिंग स्पर्धा में मानव व अगस्त्य की टीम रही विजेता

- एनआईटी में पांच दिवसीय बूटकैंप कार्यक्रम का हुआ समापन

श्रीनगर (एसएनबी)। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखंड में उद्यमशीलता की भावना का ज्ञानवर्धन विषय पर आयोजित पांच दिवसीय आवासीय बूटकैंप कार्यक्रम का समापन हुआ।

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल टीचर्स ट्रेनिंग एंड रिसर्च (एनआईटीटीटीआर), चंडीगढ़ के उद्यमिता और ग्रामीण विकास केंद्र के सहयोग से आयोजित इस बूटकैंप में राज्य के स्कूलों में अध्ययनरत आठवीं कक्षा से आगे के विद्यालयी छात्रों को उत्पाद डिजाइन, डिजाइन थिंकिंग, बिजनेस मॉडलिंग और उद्यम योजना आदि विषयों गहन अनुभवात्मक प्रशिक्षण दिया गया। समापन समारोह को ऑनलाइन माध्यम से सम्बोधित करते हुए एनआईटी के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत मिशन से प्रेरित और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के आत्मनिर्भर राज्य के दृष्टिकोण के आधार पर संकल्पित, यह कार्यक्रम उन युवा नवप्रवर्तकों के लिए डिजाइन किया गया है जो भविष्य में उद्यमिता का मार्ग अपनाकर नौकरी खोजने के बजाय रोजगार के अवसरों का निर्माण करके नौकरी प्रदाता बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण युवा छात्रों को उद्यमी विचारों को विकसित करने, उन्हें पोषित करने और भविष्य में उन्हें स्टार्टअप और लघु उद्योगों की स्थापना करने में मददगार होगा।

कार्यक्रम के अंतिम दिन पिचिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें प्रतिभागियों ने श्रोताओं और विशेषज्ञों के समक्ष अपने उद्यमी विचारों और अनुभवों के व्यावसायिक मॉडल का प्रदर्शन किया। इनका मूल्यांकन करने के बाद दिल्ली पब्लिक स्कूल रानीपुर, हरिद्वार के मानव चौहान, अगस्त्य पांडेय एंड पुलकित राजपूत की टीम को विजेता घोषित किया गया। इस मौके पर एचआईआईएमएस अस्पताल के आईपीडी प्रमुख डा. अनु भारद्वाज, अमित दास, एनआईटी के कुलसचिव डा. धर्मेंद्र त्रिपाठी आदि मौजूद थे।

पिचिंग प्रतियोगिता में मानव व अगस्त्य की टीम ने मारी बाजी

एनआईटी में पांच दिवसीय बूटकैंप कार्यक्रम का समापन

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखंड में उद्यमशीलता की भावना का ज्ञानवर्धन विषय पर आयोजित पांच दिवसीय आवासीय बूटकैंप कार्यक्रम का समापन हुआ।

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल टीचर्स ट्रेनिंग एंड रिसर्च (एनआईटीटीटीआर), चंडीगढ़ के उद्यमिता और ग्रामीण विकास केंद्र के सहयोग से आयोजित इस बूटकैंप में राज्य के स्कूलों में अध्ययनरत आठवीं कक्षा से आगे के विद्यालयी छात्रों को उत्पाद डिजाइन, डिजाइन थिंकिंग, बिजनेस मॉडलिंग और उद्यम योजना आदि विषयों गहन अनुभवात्मक प्रशिक्षण दिया गया। समापन समारोह को ऑनलाइन माध्यम से सम्बोधित करते हुए एनआईटी के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत मिशन से प्रेरित और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के आत्मनिर्भर राज्य के दृष्टिकोण के आधार पर संकल्पित, यह कार्यक्रम उन युवा नवप्रवर्तकों के लिए डिजाइन किया गया है जो भविष्य में उद्यमिता का मार्ग अपनाकर नौकरी खोजने के बजाय रोजगार के अवसरों का निर्माण करके नौकरी प्रदाता बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण युवा छात्रों को उद्यमी विच. ारो को विकसित करने, उन्हें पोषित करने और भविष्य में उन्हें स्टार्टअप और लघु उद्योगों की स्थपना करने में अवश्य मददगार होगा।

पिचिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दिल्ली पब्लिक स्कूल रानीपुर, हरिद्वार के मानव चौहान, अगस्त्य पांडेय एंड पुल. कत राजपूत की टीम को विजेता घोषित किया गया। इस मौके पर एचआईआईएमएस अस्पताल के आईपीडी प्रमुख डा. अनु भारद्वाज, अमित दास, एनआईटी के कुलसं. चव डा. धर्मेंद्र आदि मौजूद थे।

हिन्दुस्तान,गुरूवार, 29 जून 2023, पृष्ठ संख्या 04.

एनआईटी को 33वां स्थान मिलने पर खुशी

श्रीनगर। इंडिया टुडे ग्रुप और मार्केटिंग रिसर्च एजेंसी (एमडीआरए) के सर्वश्रेष्ठ कॉलेज सर्वेक्षण के आधार पर जारी भारत के सर्वश्रेष्ठ कॉलेज 2023 रैंकिंग में (इंजीनियरिंग श्रेणी में) राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखंड श्रीनगर को 33वां स्थान प्राप्त हुआ है।

इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए संस्थान के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि इस प्रकार की उपलब्धियां और अधिक कड़ी मेहनत करने की प्रेरणा देते हैं।

प्रो. अवस्थी ने कहा कि 5 जून 2023 को शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी नेशनल इंस्टीट्यूट रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखंड को 1500 से अधिक भाग लेने वाले इंजीनियरिंग संस्थानों के बीच इंजीनियरिंग श्रेणी में रैंक बैंड 101-150 में रखा गया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2021 की एनआईआरएफ रैंकिंग में कुल स्कोर 33.27 के साथ संस्थान ने 186वां स्थान प्राप्त किया था। वही वर्ष 2022 में कुल स्कोर 37.76 के साथ एनआईआरएफ-2022 रैंकिंग में 55 अंको का सुधार करते हुए 131वां स्थान हासिल किया है। जबकि वर्ष 2023 में संस्थान ने कुल स्कोर में 37.76 से 40.18 तक सुधार किया है और रैंक बैंड 101-150 में स्थान प्राप्त किया है।संस्थान के प्रभारी कुलसचिव डॉ. धर्मेंद्र त्रिपाठी, डीन फैकल्टी वेलफेयर डॉ. हरिहरन मुथुसामी आदि ने खुशी जताई है।

अमर उजाला, गुरूवार, 29 जून 2023, पृष्ठ संख्या 07.

एनआईटी उत्तराखंड को इंजीनियरिंग श्रेणी में 33वीं रैंक

संवाद न्यूज एजेंसी

श्रीनगर। इंडिया टुडे ग्रुप और मार्केटिंग रिसर्च एजेंसी (एमडीआरए) के सर्वेक्षण के आधार पर जारी भारत के सर्वश्रेष्ठ कॉलेज-2023 की इंजीनियरिंग श्रेणी में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड को 33वां स्थान मिला है।

संस्थान के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि उन्हें कड़ी मेहनत और संस्थान को आगे बढ़ाने की प्रेरणा देती है।

एनआईटी उत्तराखंड।

उन्होंने बताया कि 5 जून 2023 को शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी नेशनल इंस्टीट्यूट रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखंड को 1500 से अधिक भाग लेने वाले इंजीनियरिंग

इंडिया टुडे ग्रुप और मार्केटिंग रिसर्च एजेंसी ने किया सर्वेक्षण

संस्थानों के बीच इंजीनियरिंग श्रेणी में रैंक बैंड 101-150 में रखा गया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2021 की रैंकिंग में संस्थान ने 186वें स्थान व वर्ष 2022 में 131वां स्थान हासिल किया है।

जबकि वर्ष 2023 में संस्थान ने कुल स्कोर में 37.76 से 40.18 तक सुधार कर रैंक बैंड 101-150 में स्थान बनाया है।

उन्होंने संस्थान की इस

2023

में संस्थान ने कुल स्कोर में 37.76 से 40.18 तक किया सुधार

उपलब्धि के लिए युवा और गतिशील संकाय सदस्यों को बधाई दी है। कहा कि यदि हमें संस्थान को वैश्विक मंच पर नवाचार, स्टार्ट-अप और उद्यमिता सहित शिक्षण और अनुसंधान में उत्कृष्टता के शीर्ष स्तर पर स्थापित करना है तो संकाय सदस्यों को और अधिक कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है।

इस मौके पर संस्थान के प्रभारी कुलसचिव डॉ. धर्मेंद्र त्रिपाठी, डीन फैकल्टी वेलफेयर डॉ. हरिहरन मुथुसामी, डीन अकादमिक डॉ. लालता प्रसाद, डीन रिसर्च एंड कंसल्टेंसी डॉ. सनत अग्रवाल, डीन प्लानिंग एंड डेवलपमेंट डॉ. जीएस बरार ने संस्थान की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए संस्थान के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को बधाई दी है।

दैनिक जागरण, गुरूवार, 29 जून 2023, पृ

इंजीनियरिंग कालेज श्रेणी में एनआइटी श्रीनगर को 33वां रैंक

- मार्केटिंग रिसर्च एजेंसी की ओर से देश के सर्वश्रेष्ठ इंजीनियरिंग कालेजों को लेकर किया गया सर्वेक्षण
- एनआइटी श्रीनगर के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने संकाय सदस्यों के साथ ही छात्रों की कठोर मेहनत को दिया है श्रेय

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल : देश के सर्वश्रेष्ठ उच्च श्रेणी के इंजीनियरिंग संस्थानों की श्रेणी में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइटी) उत्तराखंड श्रीनगर की रैंकिंग में निरंतर सुधार आ रहा है। मार्केटिंग रिसर्च एजेंसी (एमटीआरए) ने देश के सर्वश्रेष्ठ इंजीनियरिंग कालेजों को लेकर किए सर्वेक्षण के आधार पर इंजीनियरिंग श्रेणी में एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर को 33वां स्थान प्राप्त हुआ है। पांच जून 2023 को केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की ओर से जारी नेशनल इंस्टीट्यूट रैंकिंग फ्रेम वर्क (एनआइआरएफ) में एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर को देश के 1500 से अधिक इंजीनियरिंग संस्थानों में 101-150 के रैंक बैंड में रखा गया, जो एक बड़ी उपलब्धि भी है।

एनआइटी श्रीनगर के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने संस्थान की रैंकिंग में आ रहे निरंतर सुधार का श्रेय संकाय सदस्यों, शोध छात्रों के साथ ही छात्रों की कठोर मेहनत को दिया है।

प्रो. अवस्थी ने कहा कि ऐसी उपलब्धियां और अधिक कड़ी मेहनत करने की प्रेरणा भी देती हैं। एनआइआरएफ की रैंकिंग में भी एनआइटी उत्तराखंड की रैंकिंग में पिछले दो वर्षों से निरंतर सुधार आ रहा है। 2021 की एनआइआरएफ की रैंकिंग में एनआइटी उत्तराखंड श्रीनगर 186 वें स्थान पर था। जबकि अब वर्ष 2023 की रैंकिंग में 101-150 के रैंक बैंड में एनआइटी ने स्थान प्राप्त कर लिया है।

एनआइटी के कुलसचिव डा. धर्मेंद्र त्रिपाठी, डीन फैकल्टी वेलफेयर डा. हरिहरन मुथुसामी, डीन एकेडमिक डा. लालता प्रसाद, डीन रिसर्च एंड कंसलटेंसी डा. सनत अग्रवाल, प्लानिंग एण्ड डवलपमेंट के डीन डा. जीएस बरार ने भी संस्थान को मिली रैंकिंग में प्रसन्नता का इजहार किया है।

इंडिया टुडे ग्रुप और मार्केटिंग रिसर्च एजेंसी के सर्वश्रेष्ठ कॉलेज सर्वेक्षण 2023 रैंकिंग में इंजीनियरिंग श्रेणी में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड को 33 स्थान प्राप्त हुआ

दैनिक सरल एक्सप्रेस
गबर सिंह भंडारी

श्रीनगर गढ़वाल। इंडिया टुडे ग्रुप और मार्केटिंग रिसर्च एजेंसी (एमडीआरए) के सर्वश्रेष्ठ कॉलेज सर्वेक्षण के आधार पर जारी भारत के सर्वश्रेष्ठ कॉलेज 2023 रैंकिंग में इंजीनियरिंग श्रेणी में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखंड को 33वां स्थान प्राप्त हुआ है। इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए संस्थान के निदेशक प्रोफेसर ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि इस प्रकार की उपलब्धियां मुझे न केवल और अधिक कड़ी मेहनत करने की प्रेरणा देती हैं बल्कि यह विश्वास भी दिलाती हैं कि एनआईटी, उत्तराखंड राष्ट्र कि शैक्षणिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए जो भी कर रहा है वह सही दिशा में है और वह अपनी राष्ट्र सेवा की इस महत्वपूर्ण यात्रा को जारी रख सकता है। इसके अलावा, प्रोफेसर अवस्थी ने कहा कि 05 जून 2023 को शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी नेशनल इंस्टीट्यूट रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, उत्तराखंड को 1500 से अधिक भाग लेने वाले इंजीनियरिंग संस्थानों की बीच इंजीनियरिंग श्रेणी में रैंक बैंड 101–150 में रखा गया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2021 की एनआईआरएफ रैंकिंग

में कुल स्कोर 33.27 के साथ संस्थान ने 186वां स्थान किया था, वहीं वर्ष 2022 में कुल स्कोर 37.76 के साथ एनआईआरएफ–2022 रैंकिंग में पचपन अंकों का सुधार करते हुए 131वां स्थान हासिल किया है जबकि वर्ष 2023 में संस्थान ने कुल स्कोर में 37.76 से 40.18 तक सुधार किया है और रैंक बैंड 101–150 में स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने कहा कि यदि उपरोक्त तथ्यों का अध्ययन किया जाए तो निःसंदेह संस्थान की एनआईआरएफ–2023 रैंकिंग में एनआईआरएफ–2022 की तुलना में सुधार हुआ होगा। प्रोफेसर अवस्थी ने आगे कहा मेरा ईमानदारी से मानना है कि एक संस्थान तभी आगे बढ़ सकता है जब उसके संकाय सदस्य संस्थान के विकास के लिए उत्कृष्टता हासिल करने में अपना शत प्रतिशत योगदान दें। सभी के ईमानदार प्रयासों से हमने धीरे–धीरे यह मुकाम हासिल किया है। मैं संस्थान के समग्र स्कोर में 37.76 से 40.18 तक सुधार करने के लिए अपने युवा और गतिशील संकाय सदस्यों को बधाई देता हूं और इस उपलब्धि के लिए पूरा श्रेय देता हूं। उन्होंने अपनी बात को जारी रखते हुए कहा कि एनआईआरएफ रैंकिंग उत्कृष्टता का एक बहुत ही महत्वपूर्ण मानक है जो शिक्षण, अनुसंधान, धारणा, सामाजिक आउटरीच, नवाचार छात्रों को उनके कल्याण के लिए संस्थान द्वारा दी जाने वाली विभिन्न प्रकार की सहायता प्रणालियों जैसे मापदंडों के आधार पर किसी संस्था का आंकलन करता है। प्रोफेसर अवस्थी ने कहा यद्यपि संस्थान की रैंकिंग में निरंतर सुधार हो रहा है फिर भी अभी एनआईआरएफ रैंकिंग के मापदंडों में बहुत अधिक सुधार की गुंजाइश दिखती है। उन्होंने संकाय सदस्यों से कहा कि यदि हमारे संस्थान को वैश्विक मंच पर नवाचार, स्टार्ट–अप और उद्यमिता सहित शिक्षण और अनुसंधान में उत्कृष्टता के शीर्ष स्तर पर स्थापित करना है तो संकाय सदस्यों को और अधिक कड़ी मेहनत, प्रतिबद्धता, क्षमता, जवाबदेही और स्वामित्व प्रदर्शित करने की आवश्यकता है।

प्रोफेसर अवस्थी ने सभी संकाय सदस्यों का आह्वाहन किया कि वे अनुक्रमित जर्नल्स में गुणवत्तापूर्ण प्रकाशनों की संख्या में वृद्धि, पेटेंट और कॉपीराइट की संख्या में वृद्धि, विभिन्न फंडिंग एजेंसियों को अनुसंधान परियोजनाएं लिखने में अधिक प्रयास, बी.टेक., एमटेक एवं पीएचडी छात्रों की संख्या में वृद्धि, संयुक्त अनुसंधान प्रस्ताव, उद्योग के लिए उद्योग आयोजित कार्यक्रम, छात्रों के लिए उच्च पैकेज के साथ बेहतर प्लेसमेंट अवसरों के लिए बहुराष्ट्रीय कंपनियों को आकर्षित करना, छात्रों को उद्योगों में शत–प्रतिशत इंटर्नशिप प्राप्त करने में मदद करना, संस्थान में स्टार्ट–अप और उद्यमिता संस्कृति के लिए बेहतर वातावरण प्रदान करना, संस्थान की धारणा को बढ़ाने के लिए पूर्व छात्रों/ उनके नियोक्ताओं शेयर धारकों के साथ नियमित रूप से संबंध बनाना, संस्थान एवं विभाग की वेबसाइट पर अपडेट रखना, शत–प्रतिशत पारदर्शी व्यवस्था के लिए छात्रों से संबंधित सभी नियम–कायदों को संस्थान की वेबसाइट पर रखना, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं और अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के प्रवेश आदि के माध्यम से संस्थान का अंतर्राष्ट्रीयकरण करना, संस्थान की प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया पर संस्थान और विभाग की उपलब्धियों एवं क्रियाकलापों को पोस्ट करना और प्रतिक्रिया देना, सभी छात्रों और पुरातन छात्रों को संस्थान के सोशल मीडिया पेजों से जुड़ने के लिए प्रेरित करना आदि क्षेत्रों में अपना सक्रिय योगदान दे जिससे की अगले वर्ष हमारी एनआईआरएफ रैंकिंग दोहरे अंकों में आ सके। अंत में प्रोफेसर अवस्थी ने कहा मैं शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, द्वारा दिए गए अथक समर्थन के प्रति आभार प्रकट करता हूँ और इस उपलब्धि को संस्थान छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों, उद्योग भागीदारों और पुरातन छात्रों को समर्पित करता हूँ। मैं आप सभी को भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देता हूं और आशा करता हूँ कि और हम अपने देश की प्रौद्योगिकी, सामाजिक और शैक्षणिक जरूरतों को पूरा करने के अपने दायित्व का निर्वहन करते हुए सफलता की स्वर्णिम यात्रा को जारी रखेंगे। संस्थान के प्रभारी कुलसचिव डॉ धर्मेंद्र त्रिपाठी, डीन फैकल्टी वेलफेयर डॉ हरिहरन मुथुसामी, डीन अकादमिक डॉ लालता प्रसाद, डीन रिसर्च एंड कंसल्टेंसी डॉ सनत अग्रवाल, डीन प्लानिंग एंड डेवलपमेंट डॉ जी एस बरार ने भी प्रसन्नता जाहिर करते हुए संस्थान के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को बधाई दिया।